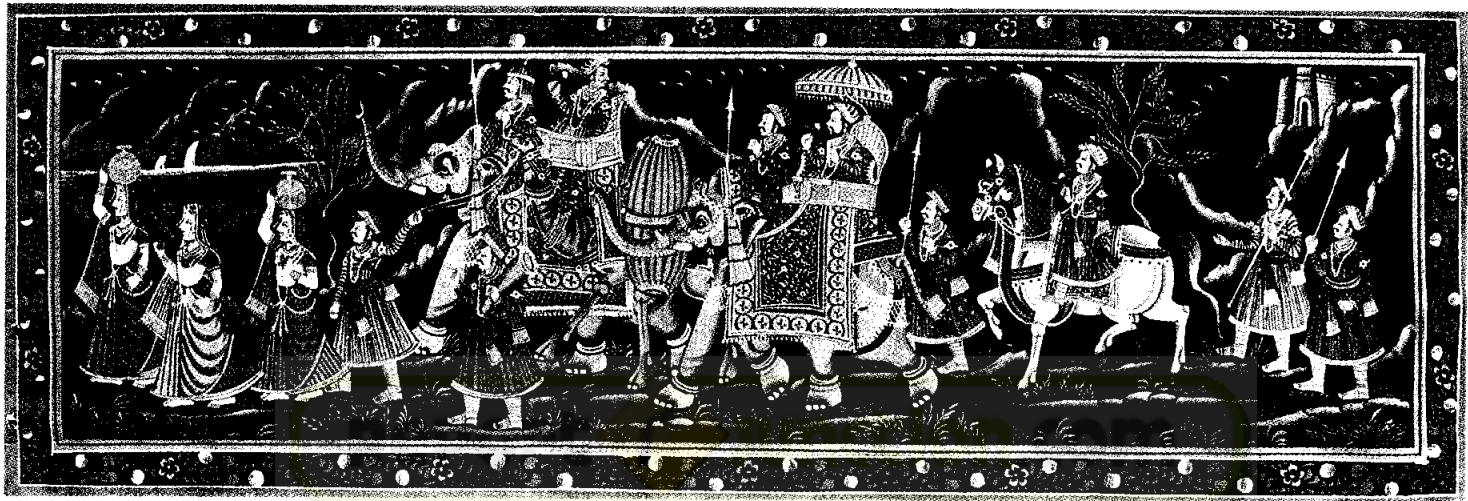


वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report



2001-02

एस बी बी जे
S B B J



स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर - 302005

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की इकतालीसवीं वार्षिक साधारण सभा बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यु सर्किल के पास, जयपुर में मंगलवार, दिनांक 9 जुलाई, 2002 को प्रातः 11.30 बजे (मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक की अवधि के बैंक के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशकों के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जावेगा।

Notice

State Bank of Bikaner & Jaipur
(Associate of the State Bank of India)

Head Office, Tilak Marg, Jaipur - 302 005

NOTICE is hereby given that the Forty First Annual General Meeting of the shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Tuesday, the 9th July, 2002 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period from 1st April, 2001 to 31st March, 2002.

मण्डल के आदेशानुसार

By Order of the Board

मुम्बई
जून 01, 2002

एन. के. पुरी
प्रबन्ध निदेशक

MUMBAI
June 01, 2002

N.K. Puri
Managing Director

विषय सूची CONTENTS	
उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	52
Balance Sheet	52
लाभ-हानि खाता	54
Profit & Loss Account	54
अनुसूचियां	56
Schedules	56
प्रमुख लेखा नीतियां	78
Principal Accounting Policies	79
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	82
Auditors' Report	83
नकदी प्रवाह विवरण	84
Cash Flow Statement	84

उन्नति का एक दशक 1993-2002
A Decade of Progress 1993-2002

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in Crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएं Loss making Branches	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1993	65.08	4860	106	47.47	10.50	709	0.35
मार्च March 1994	68.46	5551	113	46.82	6.50	733	0.37
मार्च March 1995	73.38	6459	86	72.73	8.04	740	0.40
मार्च March 1996	157.81	7500	50	112.25	25.79	753	0.47
मार्च March 1997	193.48	8866	31	156.93	40.48	771	0.55
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37*	799	1.05
मार्च March 2002	752.11	17592	7	390.61	164.50*	802	1.29

*वर्ष 2000-01 एवं 2001-02 के दौरान स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के कारण क्रमशः रुपये 45.73 करोड़ एवं रुपये 21.45 करोड़ के भार के बाद।

*After VRS outgo of Rs. 45.73 crore and Rs. 21.45 crore in 2000-01 and 2001-02 respectively.

उल्लेखनीय तथ्य Highlights 2001-2002	(रुपये करोड़ में) (Rs. in Crore)
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	17592.33
जमा राशियां Deposits	11661.00
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	5931.33
निवेश Investments	6304.96
शुद्ध लाभ Net Profit	164.50
जमाओं की लागत Cost of Deposits	7.57%
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	10.83%
शुद्ध व्याज अन्तर Net Interest Margin	3.15%
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves	752.11
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	329.00
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	1504.22
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	13.42%
आच्छादन अनुपात Coverage Ratio	2.70%
लाभांश दर Dividend Rate	40.00%
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Gross Non Performing Assets	615.58
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ प्रतिशत Gross NPA %	9.85%
निवल गैर-निष्पादित आस्तियाँ प्रतिशत Net NPA %	5.72%
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sector	2764.95
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	952.71
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	1025.61
लघु व्यवसाय अग्रिम Advances to Small Business	716.68
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	84573
निर्यात वित्त Export Finance	596.07
आठ सेवा शाखाओं सहित शाखाओं की कुल संख्या No. of branches including eight service branches	802
पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या No. of fully computerised branches	287
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	13293
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average business per employee	1.29

निदेशक मण्डल

श्री जानकी बल्लभ
अध्यक्ष,
भारतीय स्टेट बैंक,
कॉरपोरेट केन्द्र,
मादाम कामा रोड, मुम्बई.

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी
बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
25 की उपधारा (1) के खण्ड
(ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष

श्री एन.के. पुरी
प्रबन्ध निदेशक,
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर,
प्रधान कार्यालय, लिलक मार्ग, जयपुर.

अधिनियम की धारा 25 की
उपधारा (1) के खण्ड (एए) के
अधीन मनोनीत

श्री करुणासागर
क्षेत्रीय निदेशक,
भारतीय रिज़र्व बैंक,
टोंक रोड, जयपुर

अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1)
के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय
रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत

डॉ. रंजना
48, संग्राम कॉलोनी,
सी-स्क्रीम, जयपुर.

अधिनियम की धारा 25 की
उपधारा (1) के खण्ड (सी) के
अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा
मनोनीत

श्रीमती निर्मल जैन
उप महाप्रबंधक,
भारतीय रिज़र्व बैंक,
टोंक रोड, जयपुर

अधिनियम की धारा 25 (3) के
अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत

श्री एम.के. पटोदिया
पटोदिया हाउस,
म.न. 145,
रोड नं. 3, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद.

अधिनियम की धारा 25 की
उपधारा (1) के खण्ड (डी) के
अधीन चयनित निदेशक

श्री ए.आर. समाजदार
महाप्रबन्धक
(सहयोगी एवं समनुषंगी समूह),
भारतीय स्टेट बैंक,
कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई.

अधिनियम की धारा 25 की
उपधारा (1) के खण्ड (सी) के
अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा
मनोनीत

श्री कुनाल डालमिया
डालमिया हाउस,
10वीं मंजिल,
13, नेले सेनगुप्ता सरानी,
कोलकाता - 700 087

अधिनियम की धारा 25 की
उपधारा (1) के खण्ड (ई) के
अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

श्री एम.एन. राव
उप महाप्रबन्धक
(सहयोगी एवं समनुषंगी समूह),
सहयोगी बैंक विभाग,
भारतीय स्टेट बैंक,
कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई.

श्री एस.डी.एस. मिन्हास
अवर सचिव,
भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
(बैंकिंग प्रभाग)
संसद मार्ग, नई दिल्ली.

श्री के.के. सैनी
सहायक महाप्रबन्धक,
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर,
अंचल कार्यालय,
जयपुर.

अधिनियम की धारा 26 की
उपधारा (2ए) के साथ पठित
धारा 25 की उपधारा (1) के
खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय
सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri Janki Ballabh
Chairman,
State Bank of India,
Corporate Centre,
Madame Cama Road, Mumbai.

Chairman, ex-officio under clause
(a) of sub-section (1) of section
25 of the State Bank of India
(Subsidiary Banks) Act, 1959.

Shri N.K. Puri
Managing Director,
State Bank of Bikaner and Jaipur,
Head Office, Tilak Marg, Jaipur.

Nominated under clause (aa) of
sub-section (1) of section 25 of the
Act.

Shri Karunasagar
Regional Director,
Reserve Bank of India,
Tonk Road, Jaipur.

Nominated by the Reserve Bank of
India under clause (b) of sub-
section (1) of section 25 of the
Act.

Dr. Ranjana
48, Sangram Colony,
C-Scheme, Jaipur.

Nominated by the State Bank of
India under clause (c) of sub-
section (1) of section 25 of the
Act.

Smt. Nirmal Jain
Dy. General Manager,
Reserve Bank of India,
Tonk Road, Jaipur.

Nominated by the Reserve Bank of
India under section 25 (3) of the Act

Shri M.K. Patodia
Patodia House, H.No. 145,
Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

Elected Director under clause (d)
of sub-section (1) of section 25
of the Act.

Shri A.R. Samajdar
General Manager (A&S Group),
State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai.

Nominated by the State Bank of
India under clause (c) of sub-
section (1) of section 25 of the
Act.

Shri Kunal Dalmia
Dalmia House,
10th Floor,
13, Nellie Sengupta Sarani
Kolkata - 700 087

Nominated by the Central
Government under clause (e) of
sub-section (1) of section 25
of the Act.

Shri M.N. Rao
Dy. General Manager (A&S Group),
Associate Banks Department,
State Bank of India,
Corporate Centre, Mumbai.

Shri S.D.S. Minhas
Under Secretary
Government of India,
Ministry of Finance,
Deptt. of Economic Affairs
(Banking Division),
Parliament Street, New Delhi.

Shri K.K. Saini
Asstt. General Manager,
State Bank of Bikaner and Jaipur,
Zonal Office, Jaipur.

Nominated by the Central Govt.
under clause (cb) of sub-section (1)
of section 25 read with sub-section
(2A) of section 26 of the Act.

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS



श्री जानकी बल्लभ
अध्यक्ष
Shri Janki Ballabh
Chairman



श्री एन.के. पुरी
प्रबन्ध निदेशक
Shri N.K. Puri
Managing Director



श्री करुणासागर
Shri Karunasagar



श्रीमती निर्मल जैन
Smt. Nirmal Jain



श्री ए. आर. समाजदार
Shri A. R. Samajdar



श्री एम.एन. राव
Shri M.N. Rao



डॉ. रंजना
Dr. Ranjana



श्री एम. के. पटोदिया
Shri M.K. Patodia



श्री कुनाल डालमिया
Shri Kunal Dalmia



श्री एस.डी.एस. मिन्हास
Shri S.D.S. Minhas



श्री के.के. सैनी
Shri K.K. Saini

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43(1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002

स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च 2002 को समाप्त होने वाले वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, तुलन पत्र एवं आय-व्यय खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक पृष्ठ-भूमि एवं बैंकिंग परिदृश्य

भारतीय अर्थव्यवस्था

वर्ष 2001 में विश्व की अर्थव्यवस्था ने समग्र रूप से धीमी गति दर्ज करते हुए उत्पादकता में अनुमानतः 2.4 प्रतिशत की अभिवृद्धि की है। हमारे देश का औद्योगिक उत्पादन विश्व में वस्तुओं एवं उत्पादों की नीची कीमतों से भी प्रभावित हुआ है। इन बाधाओं के उपरान्त भी वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2000-01 में हुई 4 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2001-02 में 5.4 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है जिसमें कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों का 5.7 प्रतिशत तथा उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का क्रमशः 3.3 प्रतिशत एवं 6.5 प्रतिशत का योगदान है।

तथापि, वर्ष 2001-02 में निम्न मुद्रा स्फीति दर, विदेशी मुद्रा कोष एवं भुगतान सन्तुलन की अच्छी स्थिति, रुपये की अपेक्षाकृत स्थिर विनिमय दर एवं सुधरी बाह्य ऋण स्थिति रही है। यद्यपि देश में ब्याज दरें घट रही हैं परन्तु इसने बचत दर को प्रभावित नहीं किया है जो 23.4 प्रतिशत है एवं यह देश के आर्थिक विकास के स्तर के मद्देनजर ऊंची है।

राजस्थान का आर्थिक परिदृश्य

राजस्थान हमारे कार्य संचालन का मुख्य क्षेत्र है। राज्य की अर्थव्यवस्था में रोजगार एवं राज्य घरेलू उत्पाद में योगदान की दृष्टि से कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि परिदृश्य में मानसून पर निर्भरता उसकी विशेषता है। राज्य अपर्याप्त वर्षा से पीड़ित रहा है। अनुमानों के अनुसार स्थिर (1993-94) कीमतों पर वर्ष 2001-02 में राज्य का अनुमानित निवल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष की तुलना में 10.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए अनुमानतः रुपये 48940 करोड़ रहा है। स्थिर कीमतों पर अनुमानित वास्तविक प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2001-02 में पिछली वर्ष की तुलना में 7.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए रुपये 8559 रही है।

राजस्थान, अपने प्राकृतिक संसाधनों, कला एवं संस्कृति तथा लोगों के शौर्यपूर्ण इतिहास के साथ भारत में घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए अत्यन्त आकर्षक केन्द्रों में से एक है।

प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता के होते हुए भी राजस्थान को अभी औद्योगिक रूप से विकसित राज्य के रूप में उभरना है। औद्योगिक क्षेत्र में वृहत्तर निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने उदारीकरण, लाइसेन्स प्रणाली को समाप्त करना, एकल खिड़की निपटान प्रणाली का कार्यान्वयन करना आदि उपाय किये हैं।

बैंकिंग परिदृश्य

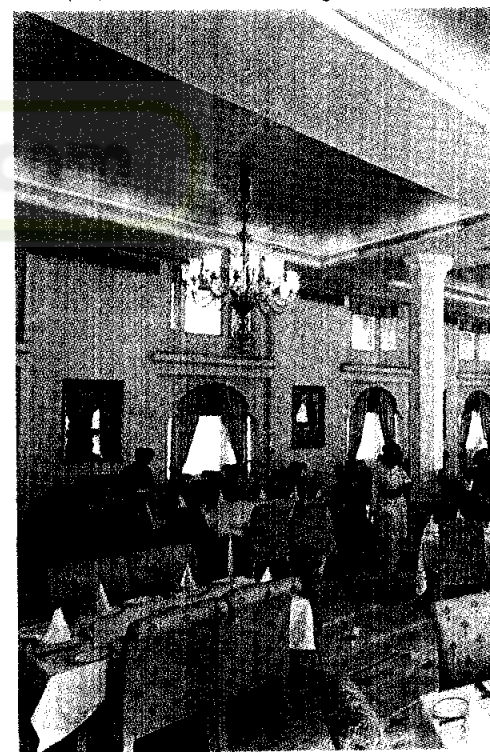
स्थूल मुद्रा (एम-3) में गत वर्ष दर्ज 16.8 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर की तुलना में 31 मार्च, 2002 को वार्षिक वृद्धि 14.00 प्रतिशत रही है। वर्ष 2002-03 के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने मुद्रा आपूर्ति की 14 प्रतिशत अभिवृद्धि अनुमानित की

है। वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक साख में गत वर्ष की 17.2 प्रतिशत की अभिवृद्धि की तुलना में 31 मार्च 2002 को गिरकर 11.3 प्रतिशत रह गई है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वार्षिक साख वृद्धि गत वर्ष की इसी अवधि की 16.6 प्रतिशत की तुलना में गिरकर 29 मार्च 2002 को 14.2 प्रतिशत रह गई है।

मौद्रिक एवं साख नीति उपाय

वित्तीय क्षेत्र में लगातार सुधारों की पृष्ठ-भूमि में भारतीय रिज़र्व बैंक की वर्ष 2001-02 एवं अप्रैल 2002 की मुद्रा एवं साख नीति घोषणाओं में वित्तीय प्रणाली में स्थिरता लाने के लिए चार महत्वपूर्ण-मुद्दों यथा तरलता, निम्न ब्याज दरें, निम्न मुद्रा स्फीति एवं स्थिर विनिमय दरें सुनिश्चित करने के संबंध

होटल इकाई: औद्योगिक वित्त शाखा, जयपुर द्वारा वित्तपोषित



Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Period covered by the report : 1st April, 2001 to 31st March, 2002

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur takes pleasure in presenting the annual report together with the Balance Sheet and Profit and Loss account of the Bank for the year ended 31st March 2002.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

Economic Backdrop and Banking Environment

Indian Economy

The global economy experienced an overall deceleration and is estimated to have recorded an output growth of 2.4 per cent during the year 2001. Industrial

production in our country has also been affected by the prevailing low commodity and product prices globally. Despite these constraints, growth in the real GDP in 2001-02 is estimated at 5.4 per cent as compared to 4 per cent in 2000-01, supported by a growth rate of 5.7 per cent in agriculture and allied sectors, 3.3 per cent and 6.5 per cent in industries and service sectors respectively.

However, the year 2001-02 witnessed a low inflation rate, comfortable foreign exchange reserves and balance of payment position, reasonably stable exchange rate of the rupee and improved external debt situation. Although interest rates in the country have been declining, it has not affected the rate of savings, which, at 23.4 per cent, is high as judged by the level of economic development of the country.

Economic Environment in Rajasthan

Rajasthan is the main area of operation of the Bank, where agriculture sector continues to be vital to the State economy in terms of employment and contribution to State Domestic Product. The agriculture scenario in the State is characterised by its dependence on the monsoon. The State has been suffering from inadequate rains. As per estimates, the Net State Domestic Product at constant (1993-94) prices, in the year 2001-02 has been estimated at Rs. 48940 crore showing an increase of 10.39 per cent over the previous year. The per capita income in real terms i.e. at constant prices in the year

2001-02 is estimated at Rs. 8559, showing an increase of 7.90 per cent over the previous year.

Rajasthan, well known for its natural resources, art and culture, and heroic history of the people, is one of the most attractive destinations in India both for domestic and international tourists.

Although abundant in natural resources, Rajasthan is yet to emerge as an industrially developed State. The State Government has undertaken measures of liberalisation, de-licencing and implementation of single window clearance system to attract larger investments in the industrial sector.

Banking Environment

As on 31st March 2002, annual expansion in broad money (M3) was 14 per cent as against 16.8 per cent increase recorded a year ago. For the year 2002-03, RBI has projected 14 per cent growth in money supply. Growth in bank credit to commercial sector slowed down to 11.3 per cent as of 31st March 2002, as compared with 17.2 per cent rise recorded a year ago. Annual growth of credit by the scheduled commercial banks was down to 14.2 per cent as of 29th March 2002, as compared to 16.6 per cent growth recorded in the same period a year ago.

Monetary and Credit Policy Measures

In the backdrop of continuing financial sector reforms, the RBI,

A Hotel Unit : financed by Ind. Fin. Branch, Jaipur



में निम्नलिखित मुख्य कदम उठाये गये हैं:-

- बैंक दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में प्रगामी कटौती।
- निर्यात प्रोत्साहन हेतु घरेलू एवं विदेशी मुद्रा निर्यात साख पर ब्याज दरों में कटौती।
- रुपये 50.00 लाख एवं अधिक की थोक मियादी जमाओं की न्यूनतम परिपक्वता अवधि घटाकर 7 दिन करना।
- मूल उधार दर से कम दर पर उधार देने की अनुमति।
- अग्रिमों पर 01.04.2002 से मासिक आधार पर ब्याज वसूल करना।
- क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया लि. (सीसीआईएल) एवं क्रेडिट इन्फोगमेशन ब्यूरो ऑफ इण्डिया लि. (सीआईबीआईएल) की स्थापना।
- गैर सांविधिक तरलता अनुपात वाले लिखतों में बैंकों के निवेश के लिये कठोर दिशा निर्देश।
- जोखिम आधारित पर्यवेक्षण (आरबीएस) की ओर बढ़ने के लिए दिशा निर्देश।
- बैंकों के तुलन पत्रों में अधिक प्रकटीकरण जैसे गैर निष्पादित आस्तियों पर प्रावधानों में उतार चढ़ाव एवं निवेशों पर ह्रास आदि।

- 'लोन सिस्टम ऑफ क्रेडिट डिलीवरी' में ढील की अनुमति।
- मियादी जमाओं पर लचीली ब्याज दर व्यवस्था का प्रस्ताव।
- अग्रिमों पर 'आल कास्ट' दरों के साथ न्यूनतम व अधिकतम दरों के प्रकटीकरण को आज्ञापक बनाना।
- गृह निर्माण, लघु उद्योग, कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियों पर 'वित्त पोषण' को उदार बनाना।

बैंक ने इन नीतिगत उपायों की अनुपालना में आवश्यक कदम उठाये हैं एवं उभरते हुए परिदृश्य के अवसरों का लाभ उठाने के लिये निम्नलिखित नीतियां एवं कार्य योजनाएं तैयार की हैं:-

- i) बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग की, बैंक के कुल व्यवसाय का कम से कम 70 प्रतिशत कम्प्यूटरीकरण के अन्तर्गत आच्छादित करने की नियत शर्त की अनुपालना में बैंक की 287 शाखाओं को पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत किया गया है जो बैंक का 73 प्रतिशत व्यवसाय करती हैं। चालू वर्ष में कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या को लगभग 500 तक पहुँचाने की योजना है।
- ii) ग्राहक सेवा में सुधार करने हेतु बैंक ने कम्प्यूटरीकृत शाखाओं में व्यवसाय समय में वृद्धि की है तथा चुनी हुई शाखाओं में दो

पारी, सात दिवसीय बैंकिंग, 24 घंटे एटीएम सुविधा प्रारम्भ की है। इसके अतिरिक्त प्रधान कार्यालय, सभी अंचल कार्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं चार शाखाओं सहित 14 केन्द्रों पर 'हेल्प लाइन' सुविधा प्रदान की गई है।

- iii) नियामक आवश्यकताओं की पूर्ति, भुगतान प्रणालियां एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित जोखिम प्रबन्धन ढांचा विकसित करने हेतु मजबूत प्रबन्धन सूचना प्रणाली एवं सूचना प्रौद्योगिकी आधार स्तम्भ तैयार करने के लिए प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर जोर दिया गया है।
- iv) बैंक की दृष्टिगोचरता बढ़ाने तथा ग्राहकों से मैत्रीपूर्ण छवि को उभारने के लिए बैंक गृह ऋण, वैयक्तिक ऋण, शिक्षा ऋण, बंधक ऋण, कार ऋण इत्यादि योजनाओं को जहां तक संभव है, आकर्षक बनाता रहा है।
- v) भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारतीय स्टेट बैंक के निर्देश एवं अपनी स्वयं की पहल पर बैंक ने नये उत्पाद जैसे लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड, एसबीबीजे किसान गोल्ड कार्ड, एसबीबीजे किसान वाहन योजना प्रारम्भ की हैं तथा एग्री क्लीनिक्स एवं कृषि व्यवसाय केन्द्रों, ग्रामीण क्षेत्रों में मेडिकल क्लीनिक्स/ निदान केन्द्रों/ अस्पतालों/ नर्सिंग होम/ स्कूल स्थापित करने तथा लघु एवं सीमान्त कृषकों को भूमि खरीदने हेतु वित्त पोषण की योजनाएं प्रारम्भ की हैं।
- vi) बैंक ने प्रतिस्पर्धी कीमत व्यूहरचना एवं त्वरित सुपुर्दगी मॉडल अपना कर अपनी स्थिति को पुनः स्थापित किया है। इस व्यूहरचना के एक हिस्से के रूप में मूल उधार दर एवं मूल मियादी उधार दर को इस वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में क्रमशः 12 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत एवं 11.5 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने उच्च श्रेणी निगमों के लिए 'सब पीएलआर' उधार दर लागू की है एवं खुदरा ऋणों पर ब्याज दरों को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। बैंक ने साख मूल्यांकन एवं सुपुर्दगी प्रक्रिया सुगठित कर त्वरित साख निर्णय सुनिश्चित

'होमलोन सेंटर' गणपति प्लाजा शाखा, जयपुर

Home Loan Centre : Ganpati Plaza Branch, Jaipur



in its Monetary and Credit Policy announcements during the year 2001-02 as also in April 2002, has initiated the following major measures for addressing four vital issues of ensuring liquidity, low interest rates, low inflation and stable exchange rate for bringing about stability in the financial system:

- Progressive reduction in Bank Rate and CRR.
- To encourage exports, interest rates on export credit, both in domestic and foreign currencies, were reduced.
- Minimum maturity period for bulk term deposits of Rs. 50 lacs and above lowered to 7 days.
- Sub-PLR lending permitted.
- Charging of interest on advances on monthly rests with effect from 01.04.2002.
- Setting up of Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL) and Credit Information Bureau of India Ltd. (CIBIL).
- Stringent guidelines for investment in Non-SLR instruments by the banks.
- Guidelines for moving towards Risk Based Supervision (RBS).
- More disclosures in the banks' balance sheets such as Movement of Provisions on NPAs and Depreciation on Investments.
- Relaxation permitted in 'Loan System of Credit Delivery'.
- Flexible interest rates for term deposits mooted.
- Disclosure of 'all cost' rates with maximum and minimum rates on advances made mandatory.
- Relaxation on financing housing, SSI, agriculture and allied activities.

The Bank has taken the required steps to comply with these policy measures and chalked out following strategies and action plan to take advantage of opportunities in the emerging scenario:

- i) To provide better customer service and to comply with CVC's stipulation of covering minimum 70% of the Bank's total business, 287 branches have been fully computerised covering 73% of the Bank's business and this number is planned to reach around 500 during the current year.
- ii) To improve customer service, the Bank has extended business hours at the computerised branches and introduced double shift banking, seven-day banking and 24 hours ATM facility at selected branches. Besides, "Help line" facility has been provided at 14 centres, including the Head Office, all Zonal Offices, Regional Offices and four branches.
- iii) Thrust has been given on the technology front to create a robust MIS and information technology backbone to meet regulatory requirements, developing payment systems and risk management infrastructure as charted out by the RBI.
- iv) To enhance the visibility of the Bank and to project a

customer friendly image, the Bank has been making its schemes such as housing loans, personal loans, education loans, mortgage loans, car loans etc., as attractive as possible.

- v) At the instance of RBI and SBI and on its own initiative, the Bank has introduced new products like Laghu Udyami Credit Card, SBBJ- Kisan Gold Card, SBBJ- Kisan Vahan Yojna, Financing Agri-clinics and Agri-business Centres, Medical Clinics/Diagnostic Centres/Hospitals/Nursing Homes/Schools in rural areas and making finance available for purchase of land by small and marginal farmers.
- vi) The Bank has decided to reposition itself by following competitive pricing strategy and faster credit delivery model. As a part of this strategy, the Bank has reduced the PLR and PTLR to 11 per cent and 11.5 per cent from 12 and 12.5 per cent respectively at the beginning of this financial year. The Bank also introduced Sub-PLR lending for top rated

चोमू शाखा द्वारा वित्तपोषित ग्रामीण स्कूल की कम्प्यूटर लैब

Computer Lab of a rural School financed by Chomu Branch

